दिल्ली पुलिस समाचार

अंक 109 मार्च-अप्रैल, 2016 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका



माननीय राष्ट्रपति से पुलिस आयुक्त की शिष्टाचार भेंट

दिल्ली पुलिस का Dog Squad मजबूत हुआ Dogs की संख्या 30 से बढ़कर 60 हुई।



4 अप्रैल, 2016 को अपराध शाखा ने इंडिया गेट लॉन में एक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस द्वारा 18 मार्च, 2016 को मेरठ स्थित सेना की रिमांउट वैटेनरी कोर (आर.वी.सी.) से खरीदे गये 30 लैब्रा डोर रिट्रिवर नस्ल के Dogs को दिल्ली पुलिस के Dog Squad में शामिल किया गया। इन Dogs में से 20 Dogs विस्फोटक पदार्थो को सूंधने में दक्ष है जबकि 10 Dogs साक्ष्य ढूढ़ने में माहिर थे। अब 30 नए Dogs दिल्ली पुलिस के Dog Squad में शामिल होने से Dogs की संख्या 30 से बढ़कर 60 हो गई है। जिसमें 45 Dogs विस्फोटक पदार्थों को सूंधने और 15 Dogs साक्ष्य आदि को ढूँढ़ने में माहिर हैं।

"इंडिया गेट लॉन में Dogs की Parade को उपराज्यपाल सहित उपस्थित सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने सराहा।"





इस मौके पर **महामहिम उपराज्यपाल श्री नज़ीज जंग** मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए जबकि **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार, विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) श्री दीपक मिश्रा, विशेष पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, विशेष पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रवीन्द्र यादव, उपायुक्त पुलिस श्री राजन भगत** के अलावा भारी संख्या में वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार ने मुख्य अतिथि महोदय का स्वागत किया जबकि विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री ताज हसन ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। इस मौके पर Dog Squad द्वारा प्रदर्शित किये गये गुरों और परेड़ की मुख्य अतिथि उपराज्यपाल तथा पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार ने प्रशंसा की Dog Squad को विस्फोटकों का पता लगाने और सुरक्षा–व्यवस्था कायम करने में अहम भूमिका निभायेंगे।

दिल्ली पुलिस का Dog Squad वर्ष 1960 में मॉडल टाउन व मन्दिर मार्ग में 10 Dogs के साथ शुरू हुआ था। बाद में Dogs की महत्ता और जरूरत को देखते हुए इनकी संख्या में वृद्धि हुई और वर्ष 2002 में दिल्ली पुलिस के सभी जिलों मे Dogs के लिए अलग Kennel बनाये गये। अभी हाल में साकेत में एक बड़े कैनल का काम निर्माणाधीन है जिसके शीघ्र पूरा होने पर इन Dogs को उनमें रखा जाएगा। दिल्ली पुलिस में Dog Squad का उपयोग बहुत पुराने समय से किया जा रहा है। जिसमें मुख्यतः विस्फोटकों का पता लगाने, मादक द्रव्यों को सूंघ कर ढूँढने, घरों, वाहनों, भवनों में छिपे साक्ष्यों एवं अपराधी के छिपने के स्थानों का पता लगाने में किया जाता है। Dogs को दिल्ली पुलिस में शामिल करने की प्रक्रिया दो प्रकार से होती है। पहली, सेना से सीधे प्रशिक्षित श्वानों को खरीद कर और दूसरी, छोटे श्वानों (pups) को खरीद कर उन्हें बी.एस.एफ द्वारा प्रशिक्षित करा कर अपने दस्ते में शामिल करना। वर्ष 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान दिल्ली पुलिस ने 70 pups को खरीद कर उन्हें प्रशिक्षित कराया था। उस समय इनकी संख्या बढ़कर 100 हो गई थी। परन्तु कुछ पुराने Dogs के सेवानिवृत होने और कुछ की प्राकृतिक मौत होने से अब इनकी संख्या घटकर केवल 30 रह गई थी।

आज बदलती परिस्थितियों में दिल्ली पुलिस की कार्यपद्धति में Dogs की महत्ता व जरूरत को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस

"नागरिकों की सुरक्षा में बेजुबान प्रहरियों की भूमिका भी किसी से कम नहीं।"



ने 18 मार्च, 2016 को मेरठ स्थित से ना के Remount Veterinary Core (आर.वी.सी.) से Labrador Retriever नस्ल के 30 Dogs खरीदें हैं। इन Dogs में से 20 Dogs विस्फोटक पदार्थो को सूंघने के expert हैं जबकि 10 Dogs साक्ष्य ढूढ़ने में माहिर हैं। सेना की Remount Veterinary Core यूनिट में खरीदे गये Dogs के साथ आत्मीयता बढ़ाने और उनके साथ घुलने–मिलने के उद्देश्य से दिल्ली पुलिस के डॉग हैंडलरस् ने 5 दिन खरीदे गये Dogs और उनके पुराने हैंडलरों के साथ बिताये। दिल्ली पुलिस में डॉग हैंडलरस् का एक अलग कैडर है और उसी कैडर के तहत उनकी भर्ती होती है। इन डॉग हैंडलर्स को प्रारंभिक प्रशिक्षण के बाद भी समय समय पर सेना से या बी.एस.एफ से रिफ्रेशर कोर्स कराया जाता है। वर्तमान में दिल्ली पुलिस के डॉग हैंडलर्स दस्ते में लगभग 150 जवान शामिल हैं जो दिन–रात Dogs की देखभाल करते हैं और कम समय में मौके पर पहुंचने के लिए मुस्तैद रहते हैं। दिल्ली पुलिस में Dogs के लिए बनी कैनल्स में साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। समय–समय पर Dogs की मेडिकल जांच कराने के साथ–साथ उनके खान–पान का भी विशेष ध्यान रखा जाता है। इसके साथ ही समय–समय पर इस बात की भी जांच की जाती है कि डॉग हैंडलर्स अपने Dogs के साथ ठीक व्यवहार कर रहे हैं, उन्हें निर्धारित मापदंड के अनुसार डाइट दे रहें है और उनकी देखभाल में कोई कोताही तो नहीं बरत रहे हैं।

"45 Dogs विस्फोटक पदार्थो को सूंघने और 15 Dogs साक्ष्य आदि को ढूँढ़ने में दक्ष"



विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री ताज हसन को दिल्ली पुलिस के मुख्य प्रवक्ता का अतिरिक्त प्रभार।



विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री ताज हसन को दिल्ली पुलिस का प्रमुख प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। 1987 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी श्री ताज हसन ने दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया है। **उपायुक्त पुलिस श्री राजन भगत** अपने जनसम्पर्क अधिकारी के दायित्व को पूर्व की भांति सफलतापूर्वक निर्वहन करते रहेंगे। श्री ताज हसन महत्वपूर्ण एवं संवदेनशील मामलों में मीडिया से रूबरू होंगे। इसके अलावा सभी परिक्षेत्रों के संयुक्त पुलिस आयुक्त एवं जिला उपायुक्त पुलिस अपने स्तर पर मीडिया से सूचनाएँ सांझा करते रहेंगे।



25 अप्रैल 2016 को पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने अपने चैम्बर में दिल्ली पुलिस के डॉग हैंडलर्स की टीम से मिलकर डॉग्स की ड्यूटी, उनकी नस्ल, उपयोगिता और देखभाल के बारे में विस्तृत जानकारी हासिल की। डॉग हैंडलर्स अपने साथ अभी हाल में खरीदे गये डॉग्स को लेकर भी आये थे। इस मौके पर कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे।

नाइट जीओज़ पैट्रोलिंग में संयुक्त पुलिस आयुक्त स्तर के पुलिस अधिकारी भी शमिल।

पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ एक बैठक में निर्णय लिया है कि "राजपत्रित अधिकारी रात्रि गश्त" मे संयुक्त स्तर के अधिकारी भी शामिल होंगे ताकि इलाके में गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों का उत्साहवर्धन हो और कानून–व्यवस्था को चाक–चौबंद बनाने में मदद मिले। सभी के संयुक्त पुलिस आयुक्त कम से कम एक बार महीने में नाइट जीओज़ की भूमिका संभालेंगे। एक परिक्षेत्र के संयुक्त पुलिस आयुक्त के प्रभार में अमूमन दो जिले होते हैं और प्रत्येक जिले में एक उपायुक्त पुलिस व दो अति. उपायुक्त पुलिस तथा एसीपी स्तर के अधिकारी नाइट जीओ की भूमिका निभाते हैं। हर जिले के नाइट जीओज़ को एक विशेष मोबाइल नंबर दिया जाता है ताकि किसी परेशानी में फंसा व्यक्ति सीधे और आसानी से उनसे सम्पर्क कर सके।

आम बजट में दिल्ली पुलिस के बजट में बढ़ोतरी

गतवर्ष की अपेक्षा इस वर्ष आम बजट में दिल्ली पुलिस को करीब 540 करोड़ रूपये की बढ़ोतरी की गई हैं। वर्ष 2015–16 के दौरान दिल्ली पुलिस का बजट 5372 करोड़ रूपये था जिसमें 4979 गैर योजना मद के लिए 390 करोड़ योजना मद के लिए आवंटित किया गया था। जबकि वर्ष 2016–17 के लिए 5913.74 करोड़ रूपये आवंटित किये गये हैं। जिसमें गैर योजना मद के लिए 5610.34 करोड़ रूपये व योजना मद के लिए 300 करोड़ रूपये आवंटित किये गये थे।

पुलिस आयुक्त द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों एवं थाना प्रमुखों के साथ की गई बैठक के महत्वपूर्ण बिंदू ।



5 मार्च, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने शाह ऑडिटोरियम में वरिष्ठ अधिकारियों एवं थाना प्रमुखों के साथ आयोजित बैठक में अधोलिखित बिंदूओं का अनुसरण करने पर जोर दिया।

सर्वप्रथम, ड्यूटी के दौरान फर्ज निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिसकर्मियों की याद में एक मिनट का मौन रखने के बाद बैठक की शुरूआत हुई। **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने कहा कि ईमानदारी हर पुलिसकर्मी का एक गहना हैं। इसीलिए हर पुलिसकर्मी को भ्रष्टाचार से दूर रहना चाहिए। ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ और व्यवहार कुशल पुलिसकर्मियों की गतिविधियों को सराहा जाएगा। इसके साथ ही भ्रष्टाचार में लिप्त पाये गये पुलिसकर्मियों के खिलाफ कठोर अनुशानात्मक कार्यवाही भी अमल में लाई जाएगी।

- किसी भी पुलिसकर्मी के साथ ड्यूटी के दौरान कोई हादसा होने पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और यथासंभव मदद करें। जहाँ बैरिकेड लगाए गए हों वहाँ रोशनी की उचित व्यवस्था हो और पिकेट पर तैनात पुलिसकर्मी फ्लोरासेंट जैकट जरूर पहनें।
- इसमें अनुशासन का पालन नितांत जरूरी है इसीलिए टोपी न पहनने वाले और ड्यूटी के दौरान मोबाइल पर बात करने वाले स्टाफ को डांटे/फटकारें। बैठक के दौरान विशेष पुलिस आयुक्त (पीएंडएल) से आग्रह किया गया कि वे बैरेट कैप की जगह अन्य किसी कैप की संभावना का पता लगाये क्योंकि अधिकांश पुलिसकर्मी गर्मियों में इसे पहनना पंसद नहीं करते।
- नागरिकों को सुरक्षा देना और उनके मन में पुलिस के प्रति विश्वास पैदा करना हमारा दायित्व है। हमें ऐसे कार्यों को अंजाम देना चाहिए कि आम नागरिक हमारी प्रशंसा और सहयोग करें। बीट कांस्टेबल व डिविजन अफसर लोगों के साथ नियमित बैठक करें और सम्पर्क सूत्र बनाए रखें।
- पुलिस अधिकारी लोगों को मिलने के लिए दिये गये समय का सम्मान करें। यदि किन्हीं कारणों से निर्धारित समय में मिलने के लिए उपलब्ध न हो तो पूर्व में अगले समय व दिवस के बारे में सूचित करें।
- शिकायतों/हादसों के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं थानों के क्षेत्राधिकार को लेकर परस्पर मतभेद नहीं होना चाहिए। शिकायकर्ता की शिकायत समय पर दर्ज हो और शिकायत पंजीकृत होने के बाद एफआईआर की प्रति शिकायतकर्ता को मुहैया करायें। शिकायतकर्ता के साथ निष्पक्ष और विनम्र व्यवहार होना चाहिए।
- प्रत्येक थाने में तीन निरीक्षक तैनात हैं और सभी के दायित्व वर्गीकृत हैं। जनहित में सभी दायित्वों का पूरी पारदर्शिता, ईमानदारी और निष्पक्षकता के साथ निर्वहन होना चाहिए।
- सभी सहायक पुलिस आयुक्त/थाना प्रमुख एवं खण्डाधिकारी हर शनिवार को शिकायतों की सुनवाई करें और शिकायतों के निपटारे को भी सुनिश्चित करें। इसके साथ ही नियमित रूप से आर.डब्लू.ए. के साथ मीटिंग आयोजित करें।
- बीट स्टाफ अपने इलाके में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें और वरिष्ठ अधिकारी उनकी उपस्थिति की जांच भी करें। यदि किसी बीट का एरिया ज्यादा बड़ा हो तो बीट अफसर साइकिल पर गश्त करें।
- बीट या डिविज़न अफसर शिकायकर्ता को समय समय पर उनके मामलों में की गई कार्यवाही के बारे में सूचित करें। कुख्यात/खतरनाक अपराधियों की धरपकड़ हेतु योजनाबद्ध तरीके से काम करें और नामी अपराधी बिना सजा के स्वतंत्र न घूमें यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। नागरिकों में सुरक्षा एवं बचाव की भावना मजूबत होनी चाहिए।
- स्थानीय पुलिस, अपराध शाखा, विशेष प्रकोष्ठ, पीसीआर व ट्रैफिक पुलिस के बीच परस्पर संबंध विश्वसनीय और मजबूत होने चाहिए और आपसी तालमेल के साथ अपराधियों के खिलाफ कार्रवाही होनी चाहिए। सुरपवाईजरी अधिकारियों को थाना प्रमुखों की मासिक प्रदर्शन रिपोर्ट भेजनी चाहिए।
- अपराध शाखा व स्पेशल सेल जैसी महत्वपूर्ण यूनिटों को अपराधियों की धरपकड़ हेतु अपने लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। रात्रि गश्त के दौरान मोटरसाइकिलों, ई.वी.आर. तथा क्यू.आर.टी का प्रभावी तरीके से इस्तेमाल होना चाहिए। आम लोगों के बीच पुलिस की उपस्थिति नज़र आनी चाहिए।
- सुबह व शाम के समय स्कूलों, महिला प्रतिष्ठानों, प्रतिष्ठित संस्थाओं, वृद्धाश्रमों, प्रमुख पार्कों के आस–पास पुलिस की उपस्थित हो ताकि बच्चों, बुजुर्गों व कामकाज़ी महिलाओं के बीच सुरक्षा की भावना उत्पन्न हो और किसी भी प्रकार के उपद्रव को समय रहते तत्काल रोका जा सके।
- सभी थाना प्रमुख जेल से रिहा हुए/जमानत पर रिहा हुए/गैर हाजिर

व भगौड़े अपराधियों पर विशेष निगरानी रखें। कारागृह प्रबंधन प्रणाली का इस्तेमाल अपराधियों की जानकारी प्राप्त करने, प्रिजनर मार्किंग प्रणाली तथा अपराधियों के जेल से रिहा होने की तिथि प्राप्त करने के लिए अपराधियों का डोजियर हर प्रकार से पूर्ण होना चाहिए। ऐसे अपराधियों के वर्तमान फोटो, पता व उसके परिजनों, मित्रों एवं संबंधियों की जानकारी होनी चाहिए।

- इलाके के बीसी/कुख्यात अपराधी/आदतन अपराधी/वांछित अपराधी पर नियमित निगरानी रखने के साथ–साथ आदतन अपराधियों के मामलों में माननीय अदालत से उनकी जमानत रद्द करने की सिफारिश करनी चाहिए।
- मादक द्रव्य तस्करों/सप्लायरों आदि को पकड़ने के लिए जमीनी स्तर पार सूचनाएँ एकत्रित करने के लिए बीट व डिवीजन स्टाफ को संदिग्धों पर ध्यान केन्द्रित करने के अलावा इलाके के लोगों का विश्वास अर्जित करने की दिशा में काम करना चाहिए।
- दोषियों की सजा में छूट के मामलों में पुलिस अधिकारियों द्वारा तुच्छ कारणों के आधार पर विरोध किया जाता रहा है। जिन्हें राज्य समीक्षा बोर्ड द्वारा निरस्त कर दिया जाता है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) ऐसे मामलों की समीक्षा करके पूर्ण तथ्यों से अवगत करायेंगे।
- मामलों की जांच की गुणवत्ता उच्च स्तर की होनी चाहिए। एसीपी व थानाध्यक्ष जांच अधिकारी के साथ मामलों की जांच पर चर्चा करें और सुनिश्चित करें कि संबंधित फाइल में सभी दस्तावेज पूर्ण हो।
- प्रत्येक निरीक्षक (जांच) जांच अधिकारी के साथ जमानत के मामलों पर परिचर्चा करें और आगे उठाये जाने वाले कदमों को सुनिश्चित करें। जो मामले लम्बे समय से अटके हैं उनका जल्द निपटारा करें। ऐसे मामलों को 9 माह से ज्यादा लंबिल न रहने दें।
- आतंकवाद निरोधी उपायों की निरंतर समीक्षा करें और आवश्यकतानुसार और समयानुसार उनमें जरूरी बदलाव भी करें। समय समय पर मॉलों, व्यस्त बाजारों, धार्मिक स्थालों व अन्य महत्वपूर्ण सांस्कृतिक स्थलों की सुरक्षा–व्यवस्था की समीक्षा करें। इसके साथ यह भी सुनिश्चित करें कि महत्वपूर्ण स्थलों पर स्थापित सीसीटीवी कैमरे काम कर रहे है ।
- दिल्ली में जहां कहीं भी कानून–व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हैं या उत्पन्न होने की संभावना है तो वहां वरिष्ठ अधिकारी निगरानी रखें और थानाध्यक्ष तत्काल मौके पर पहुंचे।
- पुलिस के सभी सरकारी परिसरों, थानों, मैसों व बैरिकों आदि में साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखें, विशेषकर पुलिस के सावर्जनिक स्थलों पर निर्मित शौचालयों का।
- गिरफ्तारी केवल कानूनसम्मत और न्यायोचित आधार पर होनी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि गिरफ्तारी के तुरंत बाद गिरफ्तार होने वाले के परिजनों/परिचितों/रिश्तेदारों को सूचित किया जाए।
- सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि दर्ज मामलों की चार्ज शीट सही समय पर दाखिल हो। सपलिमेंट्री चार्ज शीट के माध्यम से एफ.एस. एल रिपोर्ट दाखिल करना सुनिश्चित किया जाए और नॉन पीपीआर रजिस्टर सही तरीके से बनाया जाए।
- किसी भी मामले में जांच अधिकारी द्वारा सरकारी काम के लिए खर्च पैसों की वापसी/प्रतिपूर्ति उचित समय पर की जानी चाहिए और गवाह को सुरक्षा से संबंधित लंबित मामलों का जल्द से जल्द निपटारा किया जाना चाहिए।
- सभी संयुक्त पुलिस आयुक्त एवं उपायुक्त पुलिस निर्धारित समय में जनसम्पर्क आयोजित करें और सभा का ब्यौरा व उसके उपरांत की गई कार्यवाही को पुलिस आयुक्त के अवलोकनार्थ प्रस्तुत करें।
- जनहित में चलाई गई पूर्व योजनाओं जैसे निर्भीक, दोस्त आदि को सही मायनों में चलाया जाए और जनता से सीधे संवाद पर जोर दिया जाना चाहिए। मिनिस्ट्री ऑफ स्किल डवलपमेंट व नेशनल स्किल डवलपमेंट के साथ मिलकर बेरोजगार नवयुवकों के लिए स्किल डवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किये जाने चाहिए। इससे समाज में पुलिस की छवि सुधरेगी। सभी निरीक्षक जांच एवं निरीक्षक एटीओ द्वारा किये गये अच्छे कामों का सम्मान किया जाएगा और प्रत्येक थाने में तैनात निरीक्षक को प्रर्याप्त छुट्टी (अवकाश) मिले ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए।
- बैठक के दौरान पुलिस आयुक्त के समक्ष कुछ प्रश्न भी उठाए। कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों द्वारा नकली पहचान के आधार पर मोबाइल सिम खरीदने, कुछ जगहों पर महिला जेब तराशों की तलाशी लेने, कार्यकारी स्टाफ का कार्यालयों में तैनात होने, सिपाहियों को हरियाणा राज्य की तरह हर 10 वर्ष में अगले पद पदोन्नत करने व बीमार पुलिसकर्मियों के पिकेट ड्यूटी करने में अक्षम होने जैसे मुद्दें उठाये। पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने इन बिंदूओं का गंभीरता से अध्ययन करने और यथासंभव कदम उठाने का आश्वासन दिया।

दिल्ली की मजबूत कानून–व्यवस्था में आम जनता के विचारों को भी शामिल किया जाएगा: पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा

31 मार्च, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने पुलिस मुख्यालय में मीडिया प्रतिनिधियों से एक औपचारिक भेंट की। सुरक्षा–व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बातचीत के दौरान **विशेष पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.एस.कृष्णैया, श्री रवीन्द्र यादव, श्री मुकेश कुमार मीणा, श्री शरद अग्रवाल एवं जनसम्पर्क अधिकारी श्री राजन भगत** भी मौजूद थे। संवाददाताओं से औपचारिक बातचीत के दौरान श्री वर्मा ने कहा कि दिल्ली की सुरक्षा मेरी प्राथमिकता है और इसके लिए पुलिस व मीडिया तो मिलजुकर काम करेगी साथ ही आम जनता की राय को भी शामिल किया जाएगा। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस महिलाओं की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर काम कर रही है और जल्द ही कुछ और बिदुंओं पर भी काम किया जाएगा। दिल्ली में मजबूत कानून–व्यवस्था कायम रखने और उसकी कार्यप्रणाली में निरंतर सुधार लाने के लिए जनता व पुलिस के बीच परस्पर संवाद एवं विश्वास को बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाने बेहद जरूरी है। इसके साथ ही मीडिया के साथ बेहतर कम्युनिकेशन भी जरूरी है।



पासिंग आउड परेड सम्पन्न –27 पीएसआई और 179 हैडकांस्टेबल (मिनिस्ट्रियल) पास–आउट।





2 अप्रैल, 2016 को झाड़ौदा कलां स्थित पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज में पासिंग आउट परेड़ का आयोजन किया गया जिसमें 27 पीएसआई और 179 हैडकां0 मिनिस्ट्रीयल ने शपथ लेकर दिल्ली पुलिस की पूर्ण सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर **मुख्य अतिथि विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशिक्षण) श्री किशन कुमार** ने परेड़ की सलामी ली जबकि **विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल, कानून एवं व्यवस्था) श्री दीपक मिश्रा** ने सर्वश्रेष्ठ प्रक्षिणार्थी को ट्राफी व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री बालाजी श्री वास्तव, पीटीसी प्रिसिंपल श्री एन.ज्ञानसंबंधन, उपायुक्त पुलिस श्री रविशंकर** सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, प्रशिक्षणार्थियों के परिजन एवं मीडिया के सदस्य उपस्थित थे। **विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा** ने पुलिस परिवार में शामिल होने वाले नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि वे अपने कर्तव्य का निर्वाह ऐसी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की भावना से करें कि आने वाली उनकी पीढ़ियों को उन पर गर्व हो। विशेष पुलिस आयुक्त, प्रशिक्षण श्री किशन कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी पुलिस के काम–काज का गहराई से अध्यन करें, उसकी बारीकियों को समझें और अपने आप को इतना सक्षम बनायें कि भविष्य में जहां कहीं भी आपकी तैनाती हो, आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभा सकें। उन्होंनें कहा कि अपराधों के तेजी से बदलते रूझान व patterns को ध्यान में रखते हुए investigations में scientific aids का इस्तेमाल आज की आवश्कता है। अपने आपको forensics व police related computer applications पर update रखना पड़ेगा ताकि latest technology का उपयोग सही दिशा व उपयुक्त समय पर थाना स्तर पर होता रहे। पासआउट होने वाले (HC. Min) की दिल्ली पुलिस के प्रशासनिक कार्यो में एक विशेष भूमिका हैं। आप सभी का प्रतिदिन कार्यालयों के प्रशासनिक कामकाज में विशेष योगदान रहेगा जो कि किसी भी पुलिस संगठन के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक हैं। आपने पुलिस की विभिन्न ईकाइयों के कार्यालयों में काम करते हुए यह सुनिश्चित करना है कि सर्विस के मामलों में आप फाईलों को सही तरीके से समझें और कोशिश करें कि पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता से फाइलों और मामलों का सही–सही निष्पादन हों। एक अच्छे पुलिस संगठन के लिए बेहतर प्रशासनिक ढ़ांचा बहुत जरूरी हैं और आप उस ढ़ांचे की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। प्रशिक्षण के दौरान पीएसआई को कानून, अपराध विज्ञान, पुलिस विज्ञान, सुरक्षा प्रबंध, कंम्पयूटर विज्ञान, साइबर अपराध के अलावा महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों के साथ संवदेनशीलता से पेशेवर व्यवहार करना सिखाया गया, जबकि हैडकां0 मिनिस्ट्रीयल को कार्यालय प्रकिया, सीसीएस रूल, मानव अधिकार, अनुशासन, पेशेवर निपुणता जैसे विषयों के बारे में निपुण बनाया गया। सभी विषयों में श्रेष्ठ रहे हैडकां0 मिनिस्ट्रीयल मनोज कुमार को विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) श्री दीपक मिश्रा ने ट्राफी व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।



वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, ड्रील इंस्पेक्टर एवं पुरस्कार विजेताओं का सामूहिक चित्र।

पूर्वोत्तर राज्यों के प्रतिनिधिमंडल की पुलिस आयुक्त से भेंट



4 मार्च, 2016 को पूर्वोत्तर राज्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस मुख्यालय में **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** से मुलाकात करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दी। **संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रोबिन हिबू** के नेतृत्व में मिले इस प्रतिनिधि मंडल ने अपने पारंपरिक तरीके से पुलिस आयुक्त का सम्मान किया। प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा से पूर्वोत्तर राज्यों के नागरिकों के लिए दिल्ली में अच्छा माहौल देने की अपील भी की।



सहायक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ का उद्घाटन।



नई पुलिस लाईन, किग्जवे कैम्प स्थित दिल्ली सशस्त्र पुलिस परिसर में सहायक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ का शुरूआत की गई है। **विशेष पुलिस आयुक्त (सशस्त्र पुलिस) श्री एस.एन. श्रीवास्तव** द्वारा इस लघु प्रशिक्षण प्रकोष्ठ का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर **अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री ए.के.सिंह, उपायुक्त पुलिस श्री ब्रहम सिंह, श्री आसिफ मोहम्मद अली** तथा **श्री धीरज कुमार** के अलावा अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। बैरिक नं0 5 के सामने भोजनालय नं0 2 में 10 कार्यदिवस की कार्यशाला में पुलिसकर्मियों को आधुनिक उपकरणों जैसे कंम्प्यूटर, प्रिंटर, फैक्स, स्कैनर, इंटरनेट, फोटोस्टेट मशीन, पीए सिस्टम व वाल मांउटिड प्रोजेक्ट स्क्रीन चलाने में पारंगत किया जाएगा। इसके अलावा जवानों में स्फूर्ति और शारीरिक क्षमता को मजबूत बनाये रखने के लिए योगा, प्राणायाम व खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा।

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष की पुलिस आयुक्त से भेंट

18 मार्च, 2016 को दिल्ली महिला आयोग की **अध्यक्ष सुश्री स्वाति मालीवाल** ने पुलिस मुख्यालय में **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** से भेंटकर महिला अपराधों और महिला सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर विचार–विमर्श किया। जिसमें महिला आयोग के प्रतिनिधियों और पुलिस अधिकारियों के बीच बैठक आयोजित करने, दिल्ली सरकार की महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 181 तथा पुलिस की 100 नम्बर हेल्पलाइन के बीच इंटरकनेक्ट करने, महिला पंचायत को सशक्त बनाने में पुलिस सहयोग व महिलाओं से जुडे दर्ज मामलों की जानकारी शेयर करने जैसे संवदेनशील मामलों पर गंभीरता से बातचीत हुई। इस दौरान अध्यक्षा स्वाति मालीवाल ने पुलिस कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर उसकी कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी हासिल की। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार ने दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्षया को काननूसम्मत् यथा संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

पुलिस आयुक्त का होली पर्व पर एसएमएस शुभकामना संदेश

भाई–चारे और रंगों के त्यौहार होली के पावन पर्व पर **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने एक एसएसएम भेज कर दिल्ली पुलिस के समस्त अधिकारियों एवं कर्मियों को होली की शुभकामनाएँ दी। उन्होंने अपने एसएमएस संदेश में लिखा कि होली के हर रंग आपको और आपके परिवार को असीम सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य प्रदान करें, इन्हीं मंगल कामनाओं के साथ आपको होली पर्व की हार्दिक शुभकामनायें।

आप सबकी मुस्तैदी और सतर्कता से इस वर्ष हादसों में कमी आई और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाही हुई।

इस वर्ष होली के पर्व पर दिल्ली पुलिस ने दिल्ली के नागरिकों को एक संदेश के माध्यम से होली की शुभकामनाएँ देते हुए आग्रह किया कि भाई–चारे और रंगों के इस त्यौहार में सुरक्षित एवं संरक्षित होली मनाये। आप सभी बेफिक्र होकर बिना किसी संकोच के होली मनाये। दिल्ली पुलिस आपकी सुरक्षा के लिए फिक्रमंद एवं प्रतिबद्ध है, विशेषकर महिलाओं, बुजुर्गो एवं बच्चों की सुरक्षा को लेकर। इस वर्ष लोकल पुलिस के अलावा अर्ध–सैनिक बलों के 2500 अधिकारियों एवं जवानों तथा यातायात पुलिस के भी 2500 अधिकारियों एवं जवानों ने होली के सुरक्षा प्रबंधों को अंजाम दिया। महिलाओं के प्रति अपनी सुरक्षा की प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के सुरक्षा दस्तों में महिला पुलिसकर्मियों की टीमों को भी शामिल किया गया। पीसीआर वैनों ने निरंतर व्यस्त एवं निर्जन स्थानों पर गश्त जारी रखी और क्यूआरटी सहित मोबाइल टीमें भी तत्पर रही। पुलिस टीमों ने सड़कों पर हुडदंड रोकने व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मौके पर ही कार्यवाही की। पुलिस की उसी सतर्कता का परिणाम रहा है कि इस वर्ष केवल 4 लोग हादसों का शिकार हुए, जबकि 313 लोगों को ओवर–स्पीडिंग, 218 को खतरनाक ड्राइविंग, 1914 को शराब पीकर वाहन चलाने, 130 रॉग साइड ड्राइविंग, 2129 बिना हेलमेट चालाकों के खिलाफ कार्रवाही करते हुए 1085 वाहनों को जब्त किया गया जबकि 639 लाइसेंस रद्ध किये गये। यह सब आपकी कड़ी मेहनत और कर्तव्यनिष्ठा का द्योतक है कि दिल्ली के नागरिकों ने निःसंकोच होकर रंगों के इस त्यौहार का आनंद उठाया। आप सभी बधाई एवं प्रशंसा के पात्र हैं।

विश्व सांस्कृतिक महोत्सव के चुनौतिपूर्ण सुरक्षा प्रबंधों को दिल्ली पुलिस ने कुशलतापूर्वक निपटाया।

11 से 13 मार्च, 2016 के बीच अध्यात्मिक गुरू श्री श्री रविशंकर द्वारा यमुना खादर में आयोजित विश्व सांस्कृतिक महोत्वस को शांतिपूर्ण एंव व्यवस्थित तरीके से सम्पन्न कराने में दिल्ली पुलिस के अधिकारियों एवं जवानों ने भी अहम भूमिका निभाई। इस विशाल समारोह को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में कई दिनों की निरंतर कड़ी मेहनत करने वाले दिल्ली पुलिस के 13 डीसीपी, 50 एसीपी व 100 से ज्यादा इंस्पेक्टरों के अलावा 8000 पुलिसकर्मियों ने अपने दायित्व को बखूबी निभाया। जिसके लिए सभी अधिकारी एवं कर्मी बधाई के पात्र हैं। विशेषकर हमारा शीर्शस्त नेतृत्व। इस धार्मिक समारोह में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के शिरकत करने और लगभग 30 से 35 लाख लोगों के शामिल होने से कानून–व्यवस्था बनाये रखना दिल्ली पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती था। हालांकि दिल्ली पुलिस के अलावा एसपीजी, एनएसजी और अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियों ने भी सुरक्षा प्रबंधों में अपनी शानदार भूमिका निभाई। परन्तु दिल्ली पुलिस का सुरक्षा प्रबंधों से परोक्ष रूप से जुड़े होने के कारण उसका दायित्व व जिम्मेवारी बढ़ जाती है। साम्प्रदायिक सद्भावना के प्रतीक इस कार्यक्रम में 36 हजार कलाकारों, 22 हजार विदेशी मेहमानों और 155 देशों के कलाकारों और नागरिकों ने हिस्सा लिया।

दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा एवं उनकी सहयोगी टीम ने कल्याणार्थ एवं रचनात्मक कार्यों को नई गति प्रदान की।







8 अप्रैल, 2016 को 17 मदर टेरेसा क्रिसेंट मार्ग, नई दिल्ली स्थित राजपत्रित अधिकारी मैस में दिल्ली पुलिस परिवार **कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा** की अध्यक्षता में जनरल बॉडी मीटिंग सम्पन्न हुई। इस मीटिंग में विशेष पुलिस आयुक्त (वेलफेयर एंड इस्टेट एंड ओवरसाइट) श्री एस.वासूदेव राव, समिति के सचिव उपायुक्त पुलिस श्री एस.के.सिन्हा व समिति के सहायक सचिव एसीपी श्री टी.पी.एस.तोमर के अलावा समिति की सदस्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की पत्नियों श्रीमती सूचना पटनायक, श्रीमती सुभ्रा यादव, श्रीमती संतोष, श्रीमती पी.कामाक्षी, श्रीमती सुनीथा कामराज, डॉ0 मधुमती बालाजी, डॉ0 शुशी सिंह, श्रीमती अर्पणा बेनिवाली, श्रीमती संतोष मीणा, श्रीमती किरण गौतम, श्रीमती प्रीति सिंह, श्रीमती गीता पाठक, श्रीमती सीमरप्रीत लूथरा, श्रीमती अमृता गोगिया, डॉ0 संध्या गुप्ता उपाध्याय, श्रीमती ज्योति सिंह, डॉ0 सुधा सिंह, श्रीमती रचना गोलचा, श्रीमती प्रतिभा अग्रवाल, श्रीमती प्रिया रंगनाथान, श्रीमती संगीता कंपानी, श्रीमती राजकुमार गुज्जर, श्रीमती रशिम व्यास, श्रीमती आरती मिश्रा, श्रीमती संगीता सिंह, श्रीमती नमृता सिंह, श्रीमती संगीता, श्रीमती युविका सिंह, श्रीमती ममता शौकिन,श्रीमती किश्वर परवाइज, श्रीमती सुमिता सिंह, श्रीमती संगीता सिंह, श्रीमती कमलेश सिंगला, श्रीमती मीनल राठी, श्रीमती ममला गुप्ता, श्रीमती कीर्ति जोशी कुमार, श्रीमती नीलमा सिंह, श्रीमती सरिता भारद्वाज, श्रीमती अर्चना सिन्हा, श्रीमती मनीषा भाटिया, श्रीमती अमिंदर प्रीत, श्रीमती कविता सिंह, श्रीमती माला भगत, श्रीमती किरण मणि त्रिपाठी, श्रीमती टीना.वी. पोरवाल तथा श्रीमती भावना मलिक ने भाग लिया। पुलिस परिवार कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा ने समिति के सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस परिवारों में एकजुटता और सदस्यों को अच्छे काम का अनुसरण करने की जरूरत है। समस्त दिल्ली पुलिस एवं उनके परिवारों को एक संयुक्त परिवार के रूप में संगठित होकर कल्याणार्था कार्यो के नए मापदंड स्थापित करने होंगे। अपने सम्बोधन में उन्होंने 22.03.2016 को मालवीय नगर और 28.03.2016 को शालीमार बाग पुलिस कॉलोनियों में किये गये स्वच्छता अभियान व चिकित्सा कैम्प की शुरूआत का जिक्र करते हुए कहा कि वर्तमान में दिल्ली पुलिस की 155 पुलिस कॉलोनियों में केवल 4 वेलफेयर सेंटर हैं, जिन्हें बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों की समय–असमय की ड्यूटी को देखते हुए उनके परिवारों के लिए कल्याणार्थ कार्यो में सुधार की आव यकता है। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल–कूद, कार्य–निपुणता, मनोरंजन के साथ–साथ महिलाओं एवं बच्चों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। श्रीमती वर्मा ने कहा कि योगा, पेंटिंग, डांसिंग, स्पोर्टस, ग्रीष्म अवकाश कैम्प जैसी गतिविधियों के अलावा बुनाई करने, कपड़े सिलने, मोमबती बनाने, जूट बैग बनाने जैसे पूर्व में चल रहे कार्यों पर भी ध्यान केन्द्रित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के अंत में 'दिल्ली पुलिस वेलफेयर मेला' आयोजित किया जाएगा जिसमें वर्ष भर किये गये अच्छे कार्यो को प्रदर्शित किया जाएगा और सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की पत्नियाँ मिलकर 'मैत्री दिल्ली पुलिस ऑफिसर्स वाइवज् कलब'' बनायेंगी और उसकी पहली मीटिंग समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा के निवास पर होगी। इस मौके पर डॉ0 शुशी सिंह ने पावर प्वांइट प्रेजटेंशन ऑन विजिन एंड फ्यूचर एक्टिविटिज़ प्रस्तुत किया और समिति की अन्य सदस्यों ने स्वयं द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यो के बारे में बताया।

22 अप्रैल, 2016 को मालवीय नगर पुलिस कॉलोनी में श्रीमती शेफाली वर्मा ने कहा पुलिस परिवार कल्याण समिति सभी पुलिस कॉलोनियों में स्वास्थ्य कैम्प, डेंटल चैक–अप कैम्प, आई चैक–अप एवं गाइनोकॉलोजिस्ट कैम्प आयोजित करने में विशेष जोर देगी।

दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा ने 28 मार्च, 2016 को शालीमार बाग स्थित पुलिस कॉलोनी में एक स्वच्छता अभियान की शुरूआत की। इस मौके पर पुलिस कल्याण समिति से जुड़ी महिलाओं के साथ–साथ भारी संख्या में पुलिस कॉलोनी की महिलाएँ एवं पुलिसकर्मी उपस्थित थे। श्रीमती वर्मा ने मौके पर मौजूद महिलाओं के साथ पुलिस कॉलोनी में झाड़ू लगा कर सफाई अभियान की शुरूआत की। कॉलोनी परिसर में वृक्षारोपण करते हुए श्रीमती वर्मा ने कहा कि पुलिसकर्मियों को अपने बच्चों के सर्वांगीण विकास और स्वच्छता पर नियमित स्तर पर विशेष ध्यान देना चाहिए। शालीमार बाग पुलिस कॉलोनी में 372 फ्लेटस, स्टडी सेंटर, सामुदायिक केन्द्र और एक प्रीप्रेटरी पब्लिक स्कूल स्थित हैं। इस मौके पर पुलिस कॉलोनी के परिवारों ने अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा के समक्ष अपनी समस्याएँ रखी। सभी समस्याओं के निदान के लिए सबंधित अधिकारियों को तत्काल कदम उठाने के निर्देश भी दिये गये। शालीमार बाग पुलिस कॉलोनी की आवास कल्याण समिति के प्रधान एसआई सुरेश निर्वाल व हैडकां0 भारत भूषण ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

26 अप्रैल, 2016 को दिल्ली पुलिस परिवार की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा ने आईएनए स्थित दिल्ली हॉट में दिल्ली पुलिस स्टॉल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर समिति की सदस्य श्रीमती सुचना पटनायक, श्रीमती सुभ्रा यादव, श्रीमती सुनीथा कामराज, डॉ0 शुशि सिंह, श्रीमती प्रीती सिंह, श्रीमती गीता गोगिया, डॉ0 संध्या गुप्ता उपाध्याय, श्रीमती रचना गोलचा के अलावा समिति के सचिव श्री एस.के.सिन्हा उपस्थित थे। इस मौके पर श्रीमती वर्मा ने कहा कि यह हमारे लिए बहुत महत्व का दिन है। दिल्ली हॉट स्थित दिल्ली पुलिस स्टॉल में आगुतंक समिति द्वारा निर्मित मसाले, वाताकुनूलित जूट सामान, मोमबती, हस्तनिर्मित कपड़े, हस्तनिर्मित मधुबनी चित्रकला आदि न केवल देख सकेंगे बल्कि वाज़िब दामों में खरीद भी सकेंगे। इस मौके पर दिल्ली हॉट हॉल में दिल्ली पुलिस के बैंड ने अपनी मधुर धुनों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

















दिल्ली के नागरिकों की सेवा में एक और ऑनलाइन एप्लिकेशन। दिल्ली पुलिस की लाइसेंसिंग यूनिट में भी ऑनलाइन सुविधा।



दिल्ली के नागरिकों की सेवा में एक ओर सार्थक कदम उठाते हुए दिल्ली पुलिस की लाइसेंसिंग शाखा ने सभी प्रकार के लाइसेंस प्राप्ति की प्रक्रिया को ऑनलाइन शुरू किया है। 8 अप्रैल, 2016 को **माननीय उपराज्यपाल श्री नजीब जंग** ने इस ऑनलाइन सिस्टम को लॉच किया। इस अवसर पर **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** के अलावा अधिकांश विशेष पुलिस आयुक्त एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त स्तर के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। दिल्ली पुलिस ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने में अपनी भी भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। उसी को ध्यान में रखते हुए अपनी कार्यशैली में अधिक से अधिक आधुनिक तकनीक को शामिल करने पर जोर दे रही है। दिल्ली पुलिस का यह ध्येय रहा है कि दिल्ली के नागरिकों को सर्वोतम सेवा दें, उन्हें कम से कम असुविधा हो, उनके समय और धन की बचत हो और दिन प्रतिदिन ईज़ाद हो रही नई तकनीक को अपनी कार्यशैली में शामिल करके लोगों को लाभान्वित करे। दिल्ली पुलिस की लाइसेसिंग शाखा होटल, गेस्ट हाउस, स्वीमिंग पूल, प्रैस, सिनेमा और आर्म्स इत्यादि के लाइसेंस जारी किये जाते हैं। इस ऑनलाइन एप्लिकेशन की व्यवस्था शुरू होने पर कागज व समय की बचत के साथ–साथ आवेदककर्ता को अपने आवेदन की स्थिति के बारे में भी जानकारी मिलती रहेगी। डिफेंस कॉलोनी स्थित लाइसेसिंग शाखा में हर वर्ष 25 हजार से ज्यादा नागरिक विभिन्न लाइसेंस प्राप्ति के लिए आवेदन करते हैं और लगभग 250 से 300 लोग लाइसेंसिंग शाखा में लाइसेंस नवीनीकरण आदि के काम से आते हैं। इस मौके पर संयुक्त पुलिस आयुक्त लाइसेंसिंग श्री एस.दास ने लाइसेसिंग ब्रांच की कार्यशैली और ऑनलाइन सिस्टम के डिजाइन आदि के बारे में विस्तार से बताया।



पुलिस आयुक्त एकादश तथा पत्रकार एकादश के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन।



3 अप्रैल, 2016 को पहाड़गंज स्थित करनैल सिंह स्टेडियम में पुलिस व मीडिया के बीच **''जी मुरली ट्राफी''** मैच खेला गया (यह मैच पैट्रियट अखबार के संवाददाता जी.मुरली की याद में पुलिस व मीडिया के बीच आपसी सौहार्द और परस्पर कार्यशैली को समझने को ध्यान में रख कर खेला जाता है)। पुलिस टीम का नेतृत्व **श्री पी.के.भारद्वाज** ने किया जबकि मीडिया टीम का नेतृत्व वरिष्ठ संवाददाता **श्री सुरेश झा** ने किया। मैच के दौरान कई बार रोमांचक हालात बने, कभी पुलिस टीम जीती हुई दिखाई दी तो कई बार मीडिया टीम। आखिरकार मीडिया टीम ने इस मैच को 22 रन से अपने कब्जे में किया। **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने विजेता टीम को ट्राफी देकर सम्मानित किया। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, श्री ताज हसन, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री ए.के.सिंह व श्री एस.के.गौतम** के अलावा वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे। पुलिस आयुक्त एकादश तथा पत्रकार एकादश के बीच इस रोमांचक मैच में दिल्ली पुलिस टीम में **श्री सतीश गोलचा, श्री पी.के.भारद्वाज, श्री देवेश श्रीवास्तव, श्री मधुर वर्मा, श्री विजय सिंह जबकि पत्रकारों की तरफ से श्री सुरेश झा, रमेश अवस्थी, श्री उपेन्द्र राय, श्री चिराग गोठी, श्री पुरूषोत्तम वर्मा** ने अहम भूमिका निभाई। मैन ऑफ दा मैच मीडिया टीम के श्री चिराग गोठी को दिया गया।







पुलिस आयुक्त का पदभार ग्रहण करने के बाद श्री आलोक कुमार वर्मा केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग से शिष्टाचार भेंट करते हुए।

पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा द्वारा बेगमपुर थाना की नई बिल्डिंग का उद्घाटन।





22 अप्रैल, 2016 को पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने बाहरी जिला में बेगमपुर थाने की नई बिल्डिंग का उद्घाटन किया। सैक्टर–23 रोहिणी व गांव बेगमपुर के बीच चौड़ी सड़क पर स्थित इस भव्य बिल्डिंग के उद्घाटन के समय मंच पर विशेष पुलिस आयुक्त, डीजी स्केल (सतर्कता) श्री अमूल्य पटनायक, विशेष पुलिस आयुक्त (कानून–व्यवस्था उत्तरी परिक्षेत्र) श्री एस.बी.के.सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त (उत्तरी परिक्षेत्र) श्री संजय सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त (योजना एवं क्रियान्वय) श्री ए.के. सिंह व उपायुक्त पुलिस (बाहरी जिला) श्री विक्रमजीत सिंह व एन.बी.सी.सी के चेयरमेन विराजमान थे। इसके अलावा **विशेष पुलिस आयुक्त श्री सुधीर यादव, श्री पी. कामराज, श्री अरविन्द दीप, श्री संजय बेनीवाल, श्री आर.एस.कृष्णैया, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री सतीश गोलचा, श्री आर.पी.उपाध्याय, उपायुक्त पुलिस श्री विजय सिंह, श्री परमादित्य, श्री पुष्पेंन्द्र कुमार जनसम्पर्क अधिकारी श्री राजन भगत** तथा भारी संख्या में बाहरी जिला के अधिकारी, कर्मी एवं मीडिया के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार ने नई बिल्डिंग की प्रशंसा करते हुए कहा कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कार्यस्थल पर काम का उत्साह बढ़ता है। दिन प्रतिदिन विकसित हो रहे इस क्षेत्र के नागरिकों को सुरक्षा मुहैया होने के साथ–साथ पुलिस व जनता के बीच परस्पर सबंधों में और विश्वसनीयत बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को ज्यादा–ज्यादा लोगों के बीच उपस्थित होना चाहिए ताकि उनमें सुरक्षा की भावना उत्पन्न हो। विशेषकर प्रातःकाल और सांयकाल के समय जब बुजुर्ग व बच्चे पार्कों आदि में एकत्रित होते हैं। वर्ष 2013 में शुरू हुए इस नए भवन को निर्मित करने में लगभग 46 करोड़ रुपये की लागत आई है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस बिल्डिंग में थाना परिसर के अलावा पुलिसकर्मियों के लिए रिहाइशी क्वार्टर भी बनाए गए हैं। हालांकि तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार ने 22 फरवरी, 2013 को बेगमपुर थाने की नई बिल्डिंग का उद्घाटन किया था। परन्तु अमन विहार थाने का सजृन होने से उस बिल्डिंग में बेगमपुर व अमन विहार दोनों थानों का काम संचालित हो रहा था। अब बेगमपुर थाने को नए भवन में स्थानांतरित कर दिया गया है।









अच्छी तफ्तीश

हिंसक मुठभेड़ के बाद बदमाशों को दबोचने वाली पुलिस टीम पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित



1 मार्च, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने बाहरी जिला की एक जाबांज पुलिस टीम को उनके अदम्य साहस व अच्छी सूझबूझ के लिए शाबाशी देते हुए समुचित पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की। इस मौके पर संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री संजय सिंह व उपायुक्त पुलिस श्री विक्रमजीत ने पुलिस टीम के सदस्यों की हौसला–अफजाई की। 29 फरवरी, 2016 की रात्रि पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि कुछ बदमाश रोहिणी इलाके में किसी प्रापर्टी डीलर आदि को लूटने के इरादे से आयेंगे। ये सभी अपराधी हत्या, हत्या के प्रयास व लूट की कई संगीन वारदातों में शामिल रहे हैं। उपायुक्त पुलिस बाहरी जिला श्री विक्रम जीत के मार्गदर्शन में पुलिस टीम एसीपी विकास कुमार, इंस्पेक्टर धर्मबीर सिंह, एसआई देवेंद्र, एसआई सपन, एसआई मनोज, कां0 सुनील व कां0 मनोज की टीम ने सेक्टर–24 रोहिणी में एक स्विफ्ट कार को आते देखा तो उसे रूकने का इशारा किया। कार सवार बदमाशों ने रूकने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में और बदमाशों फरार होने के उद्देश्य से एक दूसरे पर फायरिंग की। फायरिंग के दौरान एक गोली आशीष नामक बदमाश के सीने में लगी। जिसे पुलिस ने उपचार के लिए सुश्रुत अभिघात केन्द्र भर्ती कराया। पुलिस टीम ने दीपक, प्रदीप, सुनील व आशीष नामक चार बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए हत्या, हत्या के प्रयास व लूटपाट की सात वारदातों को सुलझाने में कामयाबी मिली। इन बदमाशों ने द्वारका, नरेला, शाहबाद डेयरी व बहादुरगढ़ इलाके में भी कई आपराधिक वारदातों को अंजाम दिया था। गिरफ्तार बदमाशों से पूछताछ पर पता चला कि एक बदमाश दीपक की मुलाकात जेल में बंद अजय डबास से हुई और उसके प्रतिद्वंदी एक केबल ऑपरेटर देवेंद्र राठी की जनवरी माह में गोली मार कर हत्या कर दी थी। पुलिस टीम ने गिरफ्तार बदमाशों से 4 पिस्टल, 6 देशी कट्टे, 23 जिंदा कारतूस, स्विफ्ट डिजायर कार व एक बाइक बरामद करने में भी शानदार सफलता अर्जित की थी।

अपराध शाखा की टीम मोती नगर इलाके में मनी एक्सचेंजर से हुई 27 लाख रु0 की लूट की गुत्थी सुलझाने में कामयाब हुई।

अपराध शाखा के **उपायुक्त पुलिस श्री भीष्म सिंह** के मार्गदर्शन में **एसीपी ईश्वर सिंह की देखरेख में इंस्पेक्टर वीसी यादव, एसआई विजय सामरिया, हैडकां. अजीत, सुरेन्द्र राठी, अभय, दिनेश सिंह तथा कां0 संदीप, सतबीर, विक्रम, बिजेन्द्र, धनराज, मंजीत ,सुनील मंजीत सिंह व अनूप** की टीम ने पेशेवर निपुणता और कर्तव्यनिष्ठा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 23 मार्च, 2016 को मोती नगर इलाके में एक मनी एक्सचेंजर के साथ हुई 27 लाख रूपये की लूट की वारदात को सुलझाते हुए लूट के 2 षंडयत्रकारियों को गिरफ्तार करने में कामयाब हुई है। इस संबंध में पुलिस टीम ने बहादुरगढ़ निवासी राजबीर यादव व पटौदी, गुडगांव निवासी सन्नी भारद्वाज को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पकड़े गये दोनों बदमाशों के कब्जे से 2 देसी पिस्टल, 4 जिंदा कारतूस, 4.55 लाख भारतीय मुद्रा और 6 लाख रूपये मूल्य की विभिन्न देशों की मद्रा बरामद की थी। घटना वाले दिन बाली नगर निवासी श्री जगदीश सिंह सैनी करोल बाग स्थित अपने कार्यालय पारस फोरक्स प्रा0लि0 से वापिस लौट रहे थे कि कुछ बदमाशों ने हथियार की नोंक पर उनका बैग लूट कर फरार हो गये थे। बैग में 15 लाख रूपये भारतीय मुद्रा और 12 लाख रूपये मूल्य की विदेशी मुद्रा रखी हुई थी। पिछले दिनों **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** द्वारा पुलिस टीमों को दिये गये दिशा–निर्देशों को ध्यान में रखते हुए अवैध हथियारों की सप्लाई में शामिल गिरोहों के खिलाफ सक्रिय अपराध शाखा की इस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि बहादुरगढ़ के रहने वाले एक बदमाश ने शामली उत्तर प्रदेश से कुछ हथियार खरीदे हैं। इसी आधार पर पुलिस टीम के सदस्यों ने जांच को आगे बढ़ाया और राजबीर यादव को दबोचने में सफल रही। हालांकि राजबीर ने इस वारदात को इस प्रोफेशनल तरीके से अंजाम दिया था कि उसके सहयोगी बदमाश को भी पूरे तथ्यों की जानकारी नहीं थी। राजबीर यादव को व्यापार में घाटा होने के बाद वह भी मनी एक्सचेंजर के तौर पर करोलबाग आदि इलाकों में जाने लगा था। इसी दौरान उसने जगदीश सिंह सैनी को लूटने के लिए चुना और अपनी पहचान न बताने की शर्त पर हरियाणा के एक गैंगस्टर को लूट की इस वारदात में शामिल किया और वारदात को बेहद ही पेशेवर तरीके से अंजाम दिया। परन्तु अपराध शाखा के कर्तव्यनिश्ठ और पेशेवर निपुण अधिकारियों की टीम ने बदमाशों द्वारा बरती गई सभी सावधानियों/होशियारियों को धराशाही करते हुए उनके षडयंत्र का भांडाफोड़ किया और उन्हें गिरफ्तार करने में शानदार सफलता अर्जित की। पुलिस टीम की इस प्रशंसनीय कार्यवाही को वरिश्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी खूब सराहा। 28 मार्च, 2016 को पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने टीम को अपने कार्यालय में बुलाकर शाबाशी दी। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रवीन्द्र यादव, उपायुक्त पुलिस** व टीम के सभी सदस्य उपस्थित थे।

अपराध शाखा की टीम ने नेहरू मेमोरियल म्यूजियम से चोरी एंटीक खंजर की वारदात अल्प समय में सुलझाई।



अपराध शाखा के **उपायुक्त पुलिस श्री भीष्म सिंह** के नेतृत्व में **एसीपी संजय सहरावत, इंस्पेक्टर पी.सी.यादव, इंस्पेक्टर संजीव यादव, एसआई विजय सामरिया, संदीप, गुरदीप, नीरज मनोज,, हैडकां0 करतार, दिनेश सिंह, विजेन्द्र तथा कां0 गोपाल कृष्ण, परमजीत, राजकुमार, रवि मिश्रा, संदीप, ओमप्रकाश, सुशील, अरविंद, अमरपाल, ब्रिजेश व सुरेन्द्र** की टीम ने 25.04.2016 को नेहरू मेमोरियल म्यूजियम से चोरी हुए बहुमूल्य एंटीक खंजर को बरामद करने और तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में बेहतरीन सफलता हासिल की। चोरी हुआ बहुमूल्य एंटीक खंजर भूतपर्वू प्रधानमंत्री पं0 जवाहरलाल नेहरू को सउदी अरब के तत्कालीन किंग ने उपहार स्वरूप भेंट किया था। इस सनसनीखेज सेंधमारी की वारदात को सुलझाने के लिए स्थानीय पुलिस के अलावा अपराध शाखा की कई टीमें भी काम कर रही थी। पुलिस टीम ने लगभग 100 संदिग्ध लोगों से गहन पूछताछ की। पुलिस टीम को मेमोरिया में काम करने वाले एक कर्मचारी रामचन्दर पर कुछ संदेह हुआ। कड़ी पूछताछ के दौरान रामचन्दर ने वारदात में शामिल होने की बात स्वीकार की और पुलिस टीम को बताया कि उसने अपने सहयोगी कर्मचारी संदीप कुमार के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। दोनों कर्मचारियों को अनुमान था कि यह बहुमूल्य खंजर पूर्णतया सोने से निर्मित होने के कारण काफी मंहगा बिक जाएगा। संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री रवीन्द्र यादव ने 28 अप्रैल, 2016 को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान संवाददाताओं को घटना की विस्तृत जानकारी दी। 28 अप्रैल, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने इस सनसनीखेज वारदात को सुलझाने वाली पुलिस टीम को अपने कार्यालय में बुलाकर शाबाशी दी।

अच्छी कामयाबी

संयुक्त पुलिस आयुक्त की त्वरित कार्रवाही से आत्महत्या करने जा रहे व्यक्ति की जीवनरक्षा हो सकी।



राजेंद्र नगर इलाके में रहने वाले एक कारोबारी विक्रांत गुप्ता ने अपने पारिवारिक कारणों से परेशान होकर मध्य परिक्षेत्र के **संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस.के.गौतम** को अंग्रेजी में स्यूसाइड नोट भेजा। स्यूसाइड नोट पढ़कर श्री गौतम ने तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित करने के साथ–साथ लोकल पुलिस को भी संदेश भेज कर तत्काल मौके पर जाने का आदेश दिया। इसके साथ ही उन्होंने मानवीय आधार पर संदेश आये दूरभाष पर उसे समझाने का प्रयास भी किया। दुर्भाग्यवश उस दौरान विक्रांत गुप्ता नामक उस कारोबारी ने कुछ गोलियाँ निगल ली थी। अल्प समय में ही पुलिस उस कारोबारी के घर पर पहुंची और उसे तत्काल गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहाँ डॉक्टरों के प्रयास से उसका जीवन बचा लिया गया।

साहसी महिला पुलिसकर्मी सम्मानित



उत्तर–पश्चिमी जिला के थाना आदर्श नगर में तैनात महिला हैडकां0 जस्वनी और कां0 पूजा को संयुक्त पुलिस आयुक्त (उत्तरी परिक्षेत्र) श्री संजय सिंह ने पुलिस मुख्यालय स्थित अपने कार्यालय में शाबाशी देते हुए उनके साहसिक कार्य के लिए प्रोत्साहित किया। इन दोनों बहादुर महिला पुलिसकर्मियों ने अपने विवेक व साहस का परिचय देते हुए एक ऐसे सिरफिरे युवक को धर–दबोचा जो चाकू की नोंक पर एक युवती को कब्जे में लेकर उसकी हत्या कर स्वयं भी आत्महत्या करने की धमकी दे रहा था। घटना वाले दिन दोनों महिला पुलिसकर्मी आजादपुर रेलवे लाइन की तरफ महिलाओं और साधन वंचित बच्चों को आत्मरक्षा के गुर एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी दे रही थी कि कुछ राहगिरों ने बताया कि एक युवक किसी युवती को चाकू की नोंक पर आजादपुर रेलवे लाइन की तरफ ले जा रहा है। दोनों जाबांज महिला पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंची और उस युवक को प्यार व शालीनता के साथ समझाने का बहुत प्रयास किया। परन्तु युवक पर महिला पुलिसकर्मियों जस्वनी और पूजा की बातों का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इसी बीच दोनों महिला पुलिसकर्मी अचानक फूर्ति के साथ युवक पर झपटी और चंद सैकंडों में ही युवती को सुकुशल बचाते हुए चाकूधारी युवक को काबू में किया। पूछताछ पर पता चला कि युवक व युवती दोनों ही आजादपुर गांव के रहने वाले थे और युवक द्वारा एक तरफा दोस्ती में यह कदम उठाया गया था।

नजफगढ़ के दोहरे हत्याकांड में पार्षद सहित चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

11 मार्च, 2016 की रात नजफगढ़–नांगलोई रोड पर स्थित किशन पहलवान के फार्महाउस पर आयोजित एक पार्टी के दौरान दो प्राइवेट पीएसओ अशोक व फौजी की हत्या के आरोप में पुलिस ने पार्षद सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इस सनसनीखेज वारदात में पुलिस ने पहले किशन पहलवान के प्राइवेट पीएसओ जोगिन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया था तथा बाद में सुबूतों से छेड़छाड़ करने और शस्त्र अधिनियम के तहत पार्शद किशन पहलवान व प्रमोद व टिल्लू को भी गिरफ्तार किया गया। इस मामले में पुलिस टीम पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ मामले की जांच कर रही है।

सावधान इंडिया देख कर अपनी ही फर्म के 75 लाख रुपये लूटने वाले दो कर्मचारियों को पुलिस टीम ने रकम सहित गिरफ्तार किया



दक्षिण–पश्चिमी जिला के थाना दिल्ली कैंट इलाके में शाम के समय हुई 75 लाख रुपये की लूट की वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस टीम ने अपनी ही फर्म की रकम लूटने वाले दो कर्मचारियों को लूटी गई पूरी रकम सहित गिरफ्तार करने में शानदार सफलता अर्जित की है। 16 अप्रैल, 2016 को एक व्यक्ति ने पुलिस को सूचना दी कि बरार स्केयर, बाहरी रिंग रोड के निकट होंडा सिटी कार सवार बदमाशों ने पिस्टल की नोंक पर 75 लाख रुपये लूट लिये हैं। **एसीपी दिल्ली कैंट श्री गजराज सिंह, एसीपी ऑपरेशन श्री जगजीत सांगवान, एसीपी नज़फगढ़ श्री राजेन्द्र सागवान** के साथ **थानाध्यक्ष दिल्ली कैंट श्री सुरेश कौशिक, एएटीएस प्रभारी इंस्पेक्टर राजकुमार, एसआई मनोज भाटिया, एसआई राम प्रताप, एसआई सुरेश कुमार तथा एएसआई सुरेश कुमार** की टीम ने इस सनसनीखेज रोड पर हुई लूट की वारदात को सुलझाने में पेशेवर निपुणता और कर्तव्यनिष्ठा का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया। 18 अप्रैल, 2016 को संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री दीपेन्द्र पाठक एवं उपायुक्त पुलिस दक्षिण–पश्चिमी जिला श्री सुरेन्द्र कुमार ने पुलिस मुख्यालय में संवाददाताओं को विस्तार से बताया कि पूछताछ के दौरान पीड़ित अनूज जैन ने पुलिस को बताया कि दीवान गोल्ड फर्म के मालिक श्री निशांत सरवारिया ने उसे ग्रेटर कैलाश पार्ट–।। दिल्ली से पैसे एकत्रित करके कीर्ति नगर में विनय नामक व्यक्ति को सुपुर्द करने के लिए भेजा था। जब वह पैसे लेकन अपने होंडा स्कूटर से शाम 8.20 बजे के करीब बाहरी रिंग रोड पर मैट्रो के पीलर नं0 32–33 के निकट पहुंचा तो होंडा कार में 4 व्यक्तियों ने रास्ता पूछने के बहाने रूकवाया और पिस्टल की नोंक पर रुपयों से भरा बैग लूट कर फरार हो गये। पीड़ित अनूज जैन ने पुलिस व फर्म मालिक निशांत सरवारिया को घटना के बारे में सूचना दी। पुलिस टीम तत्काल मामला दर्ज करते हुए इस सनसनीखेज वारदात को सुलझाने में जुट गई। पुलिस टीम ने टेक्नीकल सर्विलांस, लूट करने के तरीके, गुप्त सूचनाओं और पीड़ित अनुज जैन से गहन पूछताछ हुई तो उसके ब्यानों में काफी विरोधाभास मिला। पुलिस टीम ने काफी गहराई से पूछताछ की तो अनूज जैन ने बताया कि उसने ही फर्म के दूसरे कर्मचारी कुलदीप राज वर्मा के साथ मिलकर लूट का षडयंत्र रचा था। कुलदीप राज वर्मा ने अपना स्वयं का कारोबार शुरू करने और अनूज जैन ने फ्लैट खरीदने की अपनी अभिलाषा को पूरा करने के लिए सावधान इंडिया सीरियल की तर्ज पर स्वयं के साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया। अनूज जैन का सहयोगी कुलदीप राज वर्मा गुडगांव से कुछ रकम एकत्रित करके आया था। दोनों कर्मचारी धौला कुंआ मिले जहां अनूज जैन ने रकम से भरा बैग कुलदीप राज वर्मा के हवाले कर दिया। कुलदीप राज ने योजना के अनुसार उस बैग को अनूज जैन के यहां छिपा दिया था। बाद में अनूज जैन ने लूट के षडयंत्र को अंजाम देने के उद्देश्य से पुलिस व फर्म के मालिक को सूचना देकर भ्रमित करने का असफल प्रयास किया।

स्थानांतरण पदोन्नति एवं स्थाईकरण संबंधी खबरें।

पदमुक्त :- 14 मार्च, 2016 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार विशेष **पुलिस आयुक्त श्री धर्मेन्द्र कुमार (डीजी स्केल)** (एग्मू कैडर–84) को केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में प्रतिनियुक्त पर अतिरिक्त महानिदेशक के पद के लिए पदमुक्त किया गया। **श्री एस.एन.श्रीवास्तव** विशेष पुलिस आयुक्त (सशस्त्र पुलिस एवं भर्ती) से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में प्रतिनियुक्त पर अतिरिक्त महानिदेशक के पद के लिए पदमुक्त किया गया। **श्री तेजेन्द्र सिंह लूथरा** संयुक्त पुलिस आयुक्त (सुरक्षा) को आईजी चंडीगढ़ के लिए पदमुक्त किया गया है।

स्थानांतरणः- 31मार्च, 2016 को जारी स्थानांतरण आदेशानुसार स्थानांतरित पुलिस अधिकारी। श्री मुक्तेशचन्द्र विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) से गोवा, **श्री संग नोरबू मोसोबी** उपायुक्त पुलिस (यातायात) से अरूणाचल प्रदेश, **श्री प्रेमनाथ** उपायुक्त पुलिस (दक्षिणी जिला) से मिजोरम, **श्री महेश चंद भारद्वाज** उपायुक्त पुलिस (सुप्रीम कोर्ट सिक्योरटी) से मिजोरम, **श्री बिजेन्द्र कुमार यादव** अति.उपा.पुलिस (बाहरी जिला) से मिजोरम, **सुश्री चंदन चौधरी** अति.उपा.पुलिस (दक्षिण–पश्चिमी) जिला से गोवा, **श्री घनश्याम बंसल** अति.उपा.पुलिस (उत्तरी जिला) से लक्ष्यद्वीप, **श्री प्रणव तायल** अति.उपा.पुलिस (दक्षिण–पूर्वी जिला) से अरूणाचल प्रदेश, **श्री संजय कुमार सैन** उपायुक्त पुलिस (यातायात) से अरूणाचल प्रदेश।

4 अप्रैल, 2016 को जारी स्थानांतरण आदेश। श्री दीपक मिश्रा विशेष पुलिस आयुक्त (कानून–व्यवस्था एवं समन्वय) से विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन, पीएंडआई,लीगल सेल एंड रिसर्च सैल), **श्री पी. कामराज** विशेष पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) से विशेष पुलिस आयुक्त (कानून–व्यवस्था दक्षिणी), **श्री एस.बी.के.सिंह** विशेष पुलिस आयुक्त (सुरक्षा) से वि0 पु0 आ0 (कानून–व्यवस्था उत्तरी), **श्री अरूण कंपानी** अति. आ. पुलिस (लीगल सेल) से (अति.आ.पुलि.आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ), **श्री भैरों सिंह गुज्जर** उपायुक्त पुलिस (पूर्वी जिला) से प्रिसिपल (पीटीसी), **श्री एन.ज्ञानसंबंधन** प्रिंसिपल पीटीसी से उपाायुक्त पुलिस (यातायात), **श्री किमी कामिंग** अति.उपा.पु. (पूर्वी जिला) से उपायुक्त पुलिस (यातायात), **श्री आर.ए.संजीव** उपायुक्त पुलिस (दक्षिणी जिला) से उपायुक्त पुलिस (सिब्बन्दी), **श्री ईश्वर सिंह** उपायुक्त पुलिस (मुख्यालय) से उपायुक्त पुलिस (दक्षिणी जिला), **श्री ऋषिपाल** उपायुक्त पुलिस (भूमि एवं भवन) से उपायुक्त पुलिस (पूर्वी जिला), **श्री अमरेन्द्र कुमार सिंह** मिजोरम से स्थानांतरित होने पर उपायुक्त पुलिस (यातायात), **श्री सुरेन्द्र कुमार** अति.उपा.पुलिस दक्षिणी जिला से उपायुक्त पुलिस (दक्षिण–पश्चिमी जिला), **सुश्री नुपूर प्रसाद** अति.उपा.पुलिस दक्षिण–पश्चिमी जिला से अति.उपा.पुलिस दक्षिणी जिला, **सुश्री ईशा पांडे** लक्ष्यद्वीप से स्थानांतरित होने पर अति.उपा.पुलिस (मध्य जिला), **श्री राजीव रंजन सिंह** लक्ष्यद्वीप से स्थानांतरित होने पर अति.उपा.पुलिस(दक्षिण–पूर्वी जिला)।, **श्री एस.एस.कलसी** अति.उपा.पुलिस (मध्य जिला) से अति.उपा. पुलिस (बाहरी जिला), **श्री मोहम्मद अली** अति.उपा.पुलिस उत्तर–पूर्वी जिला से अति.उपा.पुलिस (सतर्कता), **श्री जी.एस अवाना** उपायुक्त पुलिस (सिब्बन्दी) से उपायुक्त पुलिस (मुख्यालय)

19 अप्रैल, 2016 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार अधोलिखित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश जारी किये गये हैं। **श्रीमती एस.सुन्दरी नंदा** विशेष पुलिस आयुक्त (परिचालन) से विशेष पुलिस आयुक्त (महिला सुरक्षा, एयरपोर्ट एवं आधुनिकीकरण)। **श्री संदीप गोयल** पदोन्नति के बाद विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात)।, **श्री संजय बेनीवाल** पदोन्नति के बाद विशेष पुलिस आयुक्त (परिचालन)।, **श्री आर.एस.कृष्णैया** पदोन्नति के बाद विशेष पुलिस आयुक्त (सशस्त्र पुलिस एवं भर्ती), **श्री एस.के.गौतम** पदोन्नति के बाद विशेष पुलिस आयुक्त (सुरक्षा), **श्री राजेन्द्र पाल** उपाध्याय दिल्ली स्थानांतरित होने पर संयुक्त पुलिस आयुक्त (दक्षिण–पूर्वी परिक्षेत्र)।, **श्री विरेन्द्र सिंह चहल** संयुक्त पुलिस आयुक्त (सुरक्षा) से संयुक्त पुलिस आयुक्त (मध्य परिक्षेत्र)।, **श्री सतीश गोलचा** संयुक्त पुलिस आयुक्त (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ) से संयुक्त पुलिस आयुक्त (पूर्वी परिक्षेत्र), **श्रीमती गरिमा भटनागर** संयुक्त पुलिस आयुक्त (विशेष शाखा) से संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात)।, **श्री वी. रंगनाथन** दिल्ली स्थानांतरित होने पर संयुक्त पुलिस आयुक्त (विशेष प्रकोष्ठ), **श्री ए.के.ओझा** पदोन्नति के बाद संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात)।, **श्रीमती अनिता राय** अति.उपा.पुलिस (पीसीआर) से अति.उपा. पुलिस (विशेष शाखा)।

पदोन्नति : 6 विशेष पुलिस आयुक्त (एडीजीपी) से महानिदेशक पुलिस (डीजीपी) पद पर पदोन्नत : 1 अप्रैल, 2016 को गृहमंत्रालय द्वारा तथा 7 अप्रैल, 2016 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेशानुसार निम्नलिखित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को डीजीपी पद पर पदोन्नत किया गया है। पदोन्नत होने वालों में शामिल हैंः श्री अमूल्य पटनायक (एग्मू–85), श्री अजय कश्यप (एग्मू–85),श्री एस.एस.यादव (एग्मू–85), श्री किशन कुमार (एग्मू–85)। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर चल रहे श्री प्रभात सिंह (एग्मू–85) तथा श्री एस.एन श्रीवास्तव (एग्मू–85) को प्रर्फोमा प्रमोशन (एनबीआर) देकर डीजीपी पद पर पदोन्नत किया गया है।

7 संयुक्त पुलिस आयुक्त विशेष पुलिस आयुक्त पद पर पदोन्नत : 1 अप्रैल, 2016 को गृहमंत्रालय द्वारा तथा 8 अप्रैल, 2016 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेशानुसार निम्नलिखित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को एडीजीपी पद पर पदोन्नत किया गया है। पदोन्नत होने वालों में शामिल हैंः श्री संदीप गोयल (एग्मू–89), श्री संजय बेनीवाल (एग्मू–89), श्री रणबीर सिंह कृष्णैया (एग्मू–89), श्री मुकेश कुमार मीणा (एग्मू–89) तथा श्री सुनील कुमार गौतम (एग्मू–89)। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर चल रहे श्री प्रणब नंदा (एग्मू–88) तथा श्री मनोज कुमार लाल (एग्मू–88) को प्रर्फोमा प्रमोशन (एनबीआर) देकर पदोन्नत किया गया है।

8 अप्रैल, 2016 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार 1998 एग्मू कैडर के तीन आईपीएस अधिकारियों को आईजीपी ग्रेड में पदोन्नत किया गया है। इन अधिकारियों में शामिल हैंः श्री नरेन्द्र सिंह बुंदेला, श्री ए.के. औझा तथा श्री एल.एच. शानलियाना।

8 अप्रैल, 2016 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार अधोलिखित पुलिस अधिकारियों को ''सलेक्शन ग्रेड'' में पदोन्नत किया गया है। 2003 बैच (एग्मू) के आईपीएस अधिकारियों में शामिल हैंः श्री संग नोरबू मोसोबी, श्री बिनय कांत मिश्रा, श्री विमल आनंद गुप्ता, श्री भैरों सिंह गुज्जर, श्री रूपेन्द्र कुमार, श्री रामनिवास मीणा, श्री के.के.व्यास, श्री ओमप्रकाश मिश्रा, श्री ब्रिजेश कुमार सिंह, श्री ब्रहम सिंह, श्री लालहुरिया, श्री जोसफ लालचुहुना तथा श्री सी.लालडीना।

636 कांस्टेबल पदोन्नत

13 अप्रैल, 2016 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेशानुसार 636 कांस्टेबल को पदोन्नति देकर हैडकांस्टेबल बनाया गया है। पदोन्नति पाने वाले अधिकांश कांस्टेबल वर्ष 1986–87 व 88 बैच के हैं।

15 सर्वश्रेष्ठ बीट कां0/हैडकां0 सम्मानित

पुलिस मुख्यालय द्वारा 21 मार्च, 2016 को जारी आदेशानुसार विभिन्न जिला/यूनिटों में तैनात 16 सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबल/हैडकांस्टेबलों को नकद पुरस्कार एवं प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित किया है। विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) कानून एवं व्यवस्था समन्वय की अध्यक्षता में गठित हुई चयन समिति ने अपनी अपनी बीट में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बीट हैडकां/कां0 का चयन किया है। पुरस्कृत होने वाले कांस्टेबल/हैडकांस्टेबलों में शामिल हैं:– **कां0 आशा राम** (थाना खजूरी खास–10 हजार रुपये), **कां0 रविन्दर** (थाना न्यू अशोक नगर–8 हजार रुपये), **कां0 अजीत पूनिया** (थाना आर.के.पुरम–8 हजार रुपये), **कां0 रामकिशन** (थाना पुल पहलादपुर–5 हजार रुपये), **हैडकां0 राकेश सिंह** (थाना निहाल विहार–8 हजार रुपये), **कां0 खरत मूल पंडित नरसिंह** (थाना बाबा हरिदास नगर–5 हजार रुपये), **कां0 जंग बहादुर** (थाना आदर्श नगर–7 हजार रुपये), **कां0 योगेन्द्र प्रसाद** (थाना शाहबाद डेयरी–8 हजार रुपये), **हैडकां0 दीपक राणा** (थाना आनंद पर्वत–8 हजार रुपये), **कां0 भीम सिंह** (थाना बुराड़ी–6 हजार रुपये), **हैडकां0 कुलदीप सिंह** (थाना कनाट प्लेस–6 हजार रुपये), **हैडकां0 संजय कुमार** (यातायात सर्कल सीमापुरी–6 हजार रुपये), **हैडकां0 मुरारी लाल, व महिला कां0 पुष्पा व कां0 रितेश** (दक्षिण–पूर्वी पीसीआर जोन प्रत्येक को 5–5 हजार रुपये), **हैडकां0 संदीप** (पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन–7 हजार रुपये), तथा **कां0 कुलदीप** (युमना बैंक मैट्रो स्टेशन–6 हजार रुपये)।

एएसआई पुष्पेन्द्र कुमार ने योग शिविर में प्रथम स्थान हासिल किया



पुलिस प्रशिक्षण स्कूल, वजीराबाद में तैनात एएसआई पुष्पेन्द्र कुमार ने स्टेट योगा एंड स्पोर्टस एसोसिएशन (पंजी) द्वारा आयोजित 14वीं दिल्ली स्टेट योगा चैम्पियनशिप 2015–16 में अपनी योग साधना का शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। दिल्ली पुलिस में पुलिसकर्मियों को निःशुल्क योग प्रशिक्षण देने वाले एएसआई पुष्पेन्द्र कुमार ने सैकड़ों योग शिविर आयोजित किये हैं। प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक से सम्मानित होने वाले पुष्पेन्द्र कुमार ने न केवल पुलिसकर्मियों को बल्कि उनके परिजनों को भी योग सीखा कर लाभान्वित किया है।

क्रिकेट का उभरता खिलाड़ी उत्कृष्ट सिंह



पुलिस मुख्यालय में तैनात एसआई भूप सिंह के सुपुत्र उत्कृष्ट सिंह ने पिछले दिनों ग्वालियर में आयोजित माधवराव सिंधिया क्रिकेट टूर्नामेंट (अंडर–12 व अंडर–14) में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम की जीत सुनिश्चित करने में शानदार भूमिका निभाई। डीपीएस वसंत कुंज में 7वीं कक्षा के इस छात्र ने न केवल रन बनाने में बल्कि फिल्डिंग में भी अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस खेल प्रतियोगिता में दिल्ली के 6 स्कूलों सहित कुल 22 स्कूलों की टीमों ने भाग लिया। हालांकि डीपीएस वंसत कुंज स्कूल की अंडर–12 टीम फाइनल मैच हार गई परन्तु उत्कृष्ट की शानदार खेल प्रतिभा को देखते हुए मैन ऑफ दा सिरिज़ घोषित किया गया।



एक कविता 'सदर बाज़ार'



इंस्पेक्टर अनिल समौता ने थानाध्यक्ष सदर बाजार के तौर पर अपने दायित्व का निर्वाह करते हुए 'सदर बाजार' नामक कविता की रचना की। इस कविता के माध्यम से उन्होंने सदर बाजार की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, संस्कृति, भौगोलिक स्थिति, परस्पर भाईचारे और पुलिस व जनता के बीच संबंधों का बखूबी वर्णन किया है। अत्यंत सौम्य, शालीन और अनुशासित पुलिस इंस्पेक्टर अनिल समौता की कविता लेखन प्रतिभा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनकी कविताएँ अक्सर पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रहती हैं।

स्नेह सागर है सदर बाजार, जहाँ प्यार भर है बेशुमार;
जाति धर्म का भेद न कोई, बस एक बड़ा सा ये परिवार।
ये तो वह पावन भूमि है जहाँ संस्कार हमारे जीवित हैं,
नगर कीर्तन, झांकी, जुलूस में बात यही तो निहित है।
लोग यहाँ के खूब निराले, जोश भरे और बड़े दिलवाले,
मिल जुल कर सब रहें यहाँ, एक दूजे के हैं रखवाले।
धर्म सहिष्णुता की हैं मिसाल, यहाँ लोग गज़ब के रहते हैं,
एक दूजे की दुःख तकलीफें, सब मिल बाँट कर सहते हैं।
यहाँ गंगा–जमुना सी एकता, हिल मिल सब जन रहते हैं,
अस्तित्व विहीन हैं वैर–भाव, मधु रस धारा सम बहते हैं।
भिन्न–भिन्न बाज़ार यहाँ, हर सामान जहाँ पर मिलता है,
सजी धजी हैं सभी दुकानें, दृश्य मनोहरी अति लगता है।
बाज़ार यहाँ के बड़े निराले, मौसम के अनुरूप संवरते हैं,
सुसज्जित तो रहते हर दिन, यौवन में भरपूर निखरते हैं।
खिलौने, क्रोकरी, साज़–श्रृंगार, समग्र सामग्री भरे बाज़ार,
थोक मूल्य की हैं सस्ती चीजें, हर वस्तु का संग्रह अपार।
सदर बाज़ार आकर्षण है, हर कोई खिंचा चला आता है,
त्यौहारों के हैं क्या कहने, जन सैलाब उमड़ जो जाता है।
ईद, दिवाली, होली पर जहाँ, जन समूह हिलोरे लेता है,
क्रिसमस, गुरू परब को यहाँ, हर घर प्रकाशित होता है।
रीति रिवाज़ हैं शुद्ध पोषित, नहीं इतने तीज़ त्यौहार कहीं,
हर धर्म यहाँ पर स्वतंत्र है, कहीं इसके जैसा प्यार नहीं।
करता रहे कोई लाख जतन, नहीं रिश्तों में कटुता आएगी,
हैं ईश्वर, अल्लाह, गुरू, मसीहा, ना बुरी नज़र लग पायेगी।
पुलिस जन सहयोग है जो, यहीं से ही तो परिभाषित है,
एक दूजे के ये दोनों पूरक, मात्र जन कल्याण जो लक्षित है।
नागरिक सुरक्षा समिति यहाँ जो प्रीत का बंधन रखती है,
स्नेह डोर सम विस्तारित हो, यह नित नई चेतना भरती है।
होता रहे नित प्रेम पल्लवन, निश दिन यहाँ खुशियां चहकें,
प्रेम बंधुता में जन जन बंधे, पुष्प–सुगन्धि सम रिश्ते महकें।
जीवन पुष्प हो सदा सुगन्धित, होता रहे नित मधु रस पान,
रहे महकता यह प्यार हमारा, गूंजे यूँ ही यह भ्रमर गान।
यही सरसता बनी रहे सदैव, प्रवाहित रहे यह स्नेह–स्पंदन,
सुख दुःख बांटे हम परस्पर, पल्लवित हो यह प्रेम का बंधन।

इंटरस्टेट कॉ-ऑर्डिनेशन मीटिंग सम्पन्न



इंटरस्टेट कॉ-ऑर्डिनेशन मीटिंग को सम्बोधित करते हुए पुलिस आयुक्त

28 अप्रैल, 2016 को पुलिस मुख्यालय स्थित कॉफ्रेंस हॉल में इंटरस्टेट कॉ–ऑर्डिनेशन मीटिंग आयाजित हुई। **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार** वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस मीटिंग में हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड व पंजाब सहित कई पड़ोसी राज्यों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया।

पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस मीटिंग में दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अलावा पड़ोसी राज्यों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। मीटिंग के दौरान पूर्व की भांति आतंकवादियों, असामाजिक तत्वों, संगठित अपराधिक गिरोहों और लोकल बदमाशों पर अकुंश लगाने के लिए परस्पर सूचनाएँ शेयर करने के साथ–साथ नशीले पदार्थो व अवैध हथियारों की तस्करी पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया गया। मीटिंग के दौरान पड़ोसी राज्यों की पुलिस के बीच परस्पर मॉक ड्रिल जिला व रेंज के स्तर पर आयोजित होती रहनी चाहिए। अपराधियों की वेरिफिकेशन के स्तर व संगीन अपराधों में संलिप्त अपराधियों के अलावा बार–बार अपराध करने वाले अपराधियों की गतिविधियों पर निगरानी रखने पर भी ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। गुमशुदा व पाए गए व्यक्तियों तथा अज्ञात शवों का का विवरण जिपनेट पर तत्काल अपलोड करना चाहिए ताकि इस संबंध में अग्रिम कार्यवाही अमल में लाई जा सके। महिलाओं, बुजुर्गो व बच्चों की सुरक्षा के प्रति अपनी संवदेनशीलता को कदापि भूलना नहीं चाहिए और इस दिशा में सजग रहते हुए उचित कार्यवाही करनी चाहिए।

मीटिंग के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, बस टर्मिनल व टैक्सी स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थानों पर सघन जांच की जानी चाहिए। घरेलू सहायकों, गेस्ट हाउसों, पेइंग हाउसों व साईबर कैफों की भी समय समय पर जांच व निगरानी रखनी चाहिए। आम जनता को भी संदेहास्पद गतिविधियों के बारे में पुलिस को सूचित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि दिल्ली पुलिस व एनसीआर की पुलिस को परस्पर मिलकर अपने कर्तव्य का अंजाम देना चाहिए ताकि नागरिकों में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ हो और स्वयं को सुरक्षित महसूस करें।

31 मार्च व 30 अप्रैल, 2016 को सेवानिवृत हुए पुलिस अधिकारीगण



एसीपी श्री महिपाल सिंह (7वीं वाहिनी)



एसीपी श्री सत्यपाल (बाहरी जिला)



एसीपी श्री विजय कुमार (सुरक्षा)



26 अप्रैल 2016 को पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ कार्यालय का दौरा किया। इस दौरान वि.पु.आ. श्री ताज हसन तथा अति.आ.पु. श्री अरूण कंपानी के साथ प्रकोष्ठ के अधिकारियों के साथ विचार विर्मश किया।



अति0आ0पु0 श्री पी.सी होता (यातायात)



एसीपी श्री रणबीर सिंह (पीटीसी)



एसीपी श्री राकेश कुमार (पूर्वी जिला)



एसीपी श्री महाबीर सिंह (यातायात)

फोटो : संजय



सम्पादक

सम्पादक : जन-सम्पर्क अधिकारी, दिल्ली पुलिस श्री राजन भगत

एवं सह-सम्पादक : उप-नि. सतबीर सिंह, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली।



सह-सम्पादक